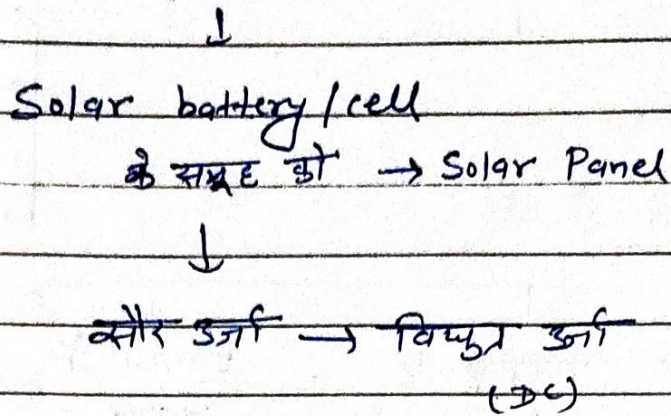
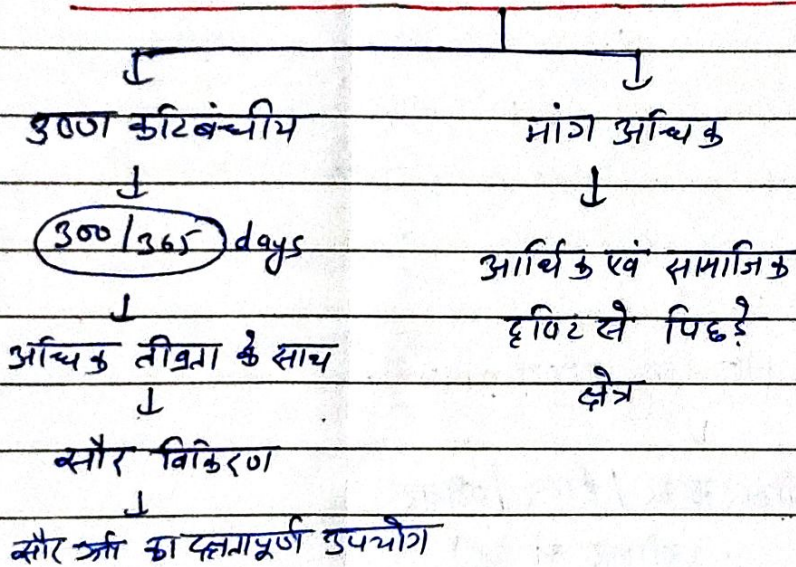


## Photo Voltaic Technique



### भारत में सौर ऊर्जा के उपयोग की संभावनाएं

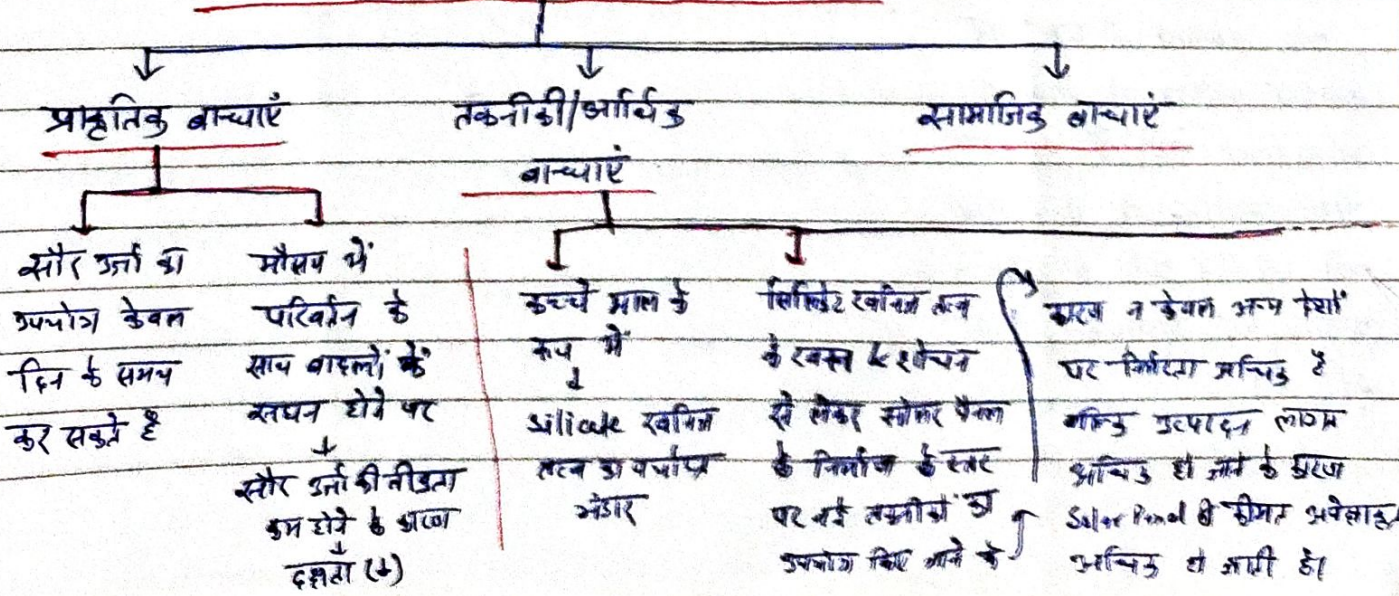


→ ऊर्जा संकट जहां एक जटिल समस्या बनती जा रही है वही ऊर्जा संसाधन के प्रबंधन के लिए <sup>समन्वित</sup> <sup>समन्वित</sup> <sup>समन्वित</sup> ऊर्जा नीति के अंतर्गत और पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों में सौर ऊर्जा के उपयोग को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। मानव के सभ्यता के विकास के साथ ही जहां सौर ऊर्जा का उपयोग प्रकाश ऊर्जा और ऊष्मा के स्रोत के रूप में होते आ रहे हैं वहीं आधुनिक विकास के इस दौर में सौर ऊर्जा तकनीक की सहायता से सौर ऊर्जा को उष्मा और विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं।

• Thermal Heating Technique के अंतर्गत सोलर कुकर, हीटर या जलर की सहायता से

सौर ऊर्जा को इस्तेमाल में परिवर्तित किया जा सकता है जिसका उपयोग खाना पकाने, बस्तुओं को गर्म करने से लेकर पानी को गर्म करने के लिए भी किया जा सकता है वही Photo Voltaic Tech. के अंतर्गत सोलर पैनल की सहायता से सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। भारत जैसे देश में जहां डी जलवायु तथा इतिबंधीय होने के कारण केवल वर्ष में लगभग 900 दिनों तक सौर ऊर्जा की प्राप्ति होती है वल्लि सौर विकिरण की तीव्रता अत्यंत होने के कारण वर्ष के अधिकांश समय सौर ऊर्जा का व्यापक उपयोग किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या अत्यंत होने के कारण जहां विद्युत ऊर्जा की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है वहीं आज भी भारत के अतिरिक्त एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े हुए क्षेत्रों में जहां विद्युतीकरण नहीं हुआ है वहां ऊर्जा संकट अत्यंत एवं सामाजिक विकास में सबसे बड़ी बाधा है। इस प्रकार के क्षेत्र में सोलर पैनल की सहायता से विद्युत ऊर्जा का उत्पादन कर एउ सीमा तक ऊर्जा संकट की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

सौर ऊर्जा तकनीक के उपयोग में बाधाएं



सोलर पैनल के द्वारा सौर  
 ऊर्जा को DC में परिवर्तित  
 होता है। बड़ी अचिंताओं  
 प्रणाली/उपकरणों में AC  
 का उपयोग किया जाता  
 है इसलिए DC को AC  
 में परिवर्तित करने के लिए  
 एक अतिरिक्त उपकरण की  
 आवश्यकता पड़ती है  
 जिसे प्रदान लागत अचिंत  
 हो जाता है

सोलर ग्रिड की  
 समस्या

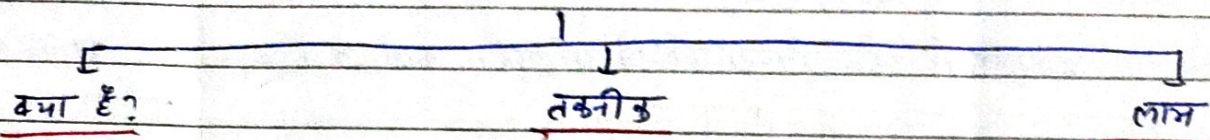
↓  
 वृद्ध स्तर तक सौर  
 ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा  
 में परिवर्तित कर विद्युत  
 ऊर्जा को घरों तक  
 पहुंचाने के लिए  
 आध्यात्म संरचना के स्तर पर  
 सोलर ग्रिड तकनीक का विकास  
 करना होगा जिसके लिए वृद्ध स्तर  
 पर निवेश की आवश्यकता पड़ेगी।

सामाजिक बाधाएं

भारत जैसे देश में जहां  
 सामाजिक पिछड़ेपन के  
 कारण जन सचेतन में  
 जागरूकता का अभाव है  
 वही सामाजिक पिछड़ेपन  
 की समस्या के कारण  
 सोलर पैनल के उपयोग  
 और प्रबंधन के स्तर पर  
 लागत अचिंत हो जाने से  
 अचिंताओं क्षेत्रों में सोलर  
 पैनल तकनीक की जगह भ्रम  
 की जा रहे हैं। प्रतीक क्षेत्रों के  
 उपयोग को प्रोत्साहित किया  
 नहीं है।

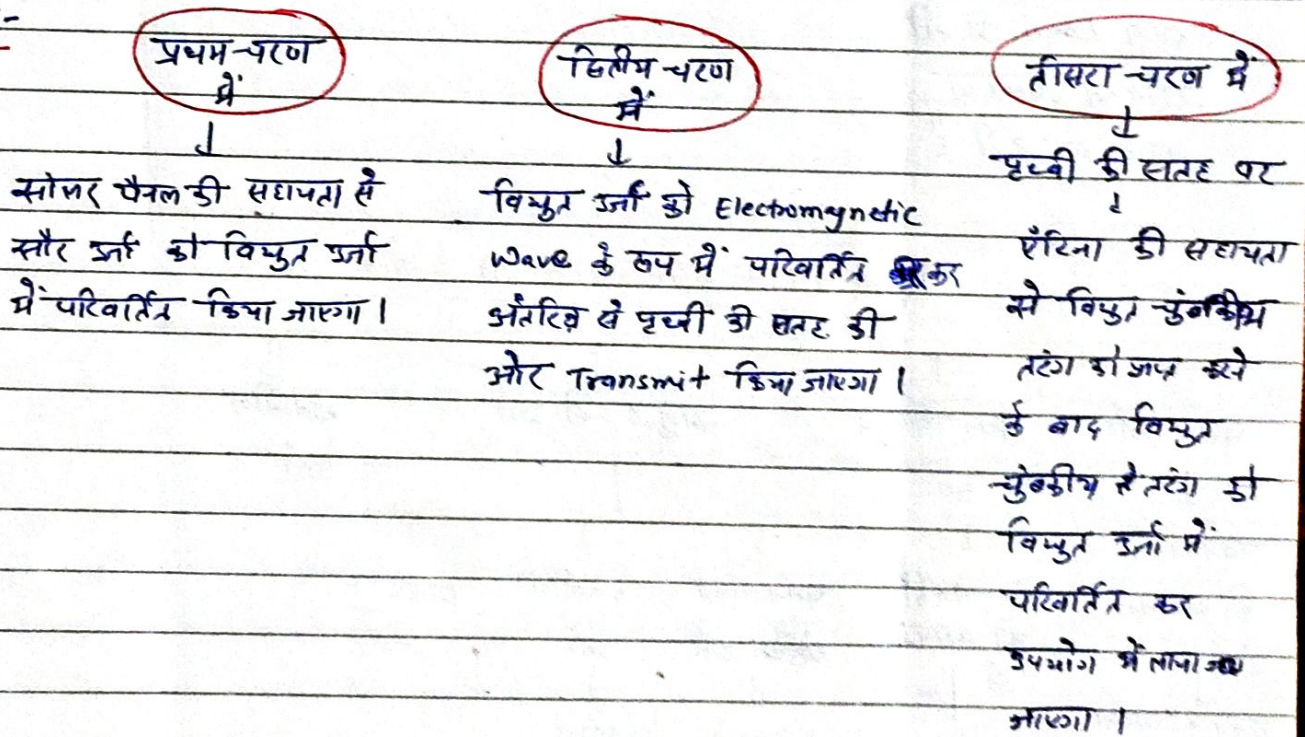
उपाय / सुझाव

Solar Satellite Mission — Space ~~tech~~ → बच्चारे  
 or Solar Power Plant ~~~~~ Chap.



क्या है? ⇒ उपग्रहों पर सोलर पैनल को लगाकर अंतरिक्ष में ही सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर सकते हैं।

तकनीक :-



तकनीक और आविर्भूत बच्चारे → प्राविर्भूत नीति

